राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान

(RUSA)

के अन्तर्गत आयोजित विविध कार्यक्रमों का वार्षिक प्रतिवेदन

2015—16

Govt. Rajmohani Devi Girls P. G. College,
Behind BSNL Office, Babupara
Ambikapur, Dist. - Surguja (Chhattisgarh)-497001

प्रतिवेदक

डॉ. यू. पी. शर्मा
रूसा प्रभारी

डॉ. ज्योति सिन्हा
प्राचार्य

शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार हेतु कार्यशाला में व्याख्यान देते मुख्य वक्ता डॉ. राजकमल मिश्रा

उक्त अवसर पर उपस्थित अतिथि, प्राध्यापक एवं छात्राएँ–

सिंहावलोकन

राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) एक केन्द्रीय प्रायोजित योजना है जो पात्र राज्य उच्चतर शैक्षिक संस्थाओं को वित्तपोषित करने के उद्देश्य से वर्ष 2013 में प्रारंभ किया गया था। केन्द्रीय वित्त पोषण (सामान्य वर्ग के राज्यों के लिए 65:35 के अनुपात में और विशेष वर्ग के राज्यों के लिए 90:10 के अनुपात में) मापदंड आधारित और आउटकम अधीन होगा। चिन्हित संस्थानों में पहुंचने से पहले निधियन केन्द्रीय मंत्रालय से राज्य सरकारों/संघ शासित प्रदेशों के माध्यम से राज्य उच्चतर शिक्षा परिषदों को जाता है। राज्य उच्चतर शिक्षा योजनाओं के समालोचनात्मक मूल्यांकन के आधार पर राज्यों को निधियन दिया जाता है जो उच्चतर शिक्षा में समानता, पहुंच और उत्कृष्टता के मामलों को सुलझाने के लिए राज्य की कार्य योजना की व्याख्या करता है।

उद्देश्य

रूसा के महत्वपूर्ण विशेषताएं :

निर्धारित मापदंडों को सुनिश्चित करते हुए राज्य संस्थाओं की समग्र गुणवत्ता में सुधार करना और प्रत्यायन को अनिवार्य गुणवत्ता आश्वासन कार्यढांचे के रूप में अंगीकार करना।

राज्य स्तर पर योजना और मॉनीटरिंग के लिए सांस्थानिक ढांचे का निर्माण करके, राज्य विश्वविद्यालयों में स्वायत्ता प्रोत्साहित करके और संस्थाओं के अभिशासन में सुधार करके राज्य उच्चतर शिक्षा प्रणाली में परिवर्तनकारी सुधार करना।

संबंधन, शैक्षिक और परीक्षा प्रणाली में सुधारों को सुनिश्चित करना।

सभी उच्चतर शैक्षिक संस्थाओं में गुणत्तायुक्त संकाय की पर्याप्त उपलब्धता को सुनिश्चित करना और रोजगार के सभी स्तरों में क्षमता निर्माण को सुनिश्चित करना।

दिनांक 06.11.2015 को प्रथम सत्र में दिव्य ज्योति सेवा निकेतन, लखनऊ के सौजन्य में डिजिटल इण्डिया की टीम, जिसमें सर्वश्री दीपक तिवारी, प्रोजेक्ट मैनेजर, देवानंद प्रताप सिंह एवं श्री सौरभ पाण्डेय ने भी छात्राओं को डिजिटल इण्डिया के बारे में विस्तार से जानकारियां दी।

दिनांक 06.11.2015 को अपरान्ह N.S.D.C द्वारा आयोजित स्कील डेवलपमेंट कार्यशाला का आयोजन हुआ, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में श्री विनय शर्मा ने विस्तार से स्कील डेवलपमेंट पर अपना सारगर्भित व्याख्यान दिया । इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. ज्योति सिन्हा, समस्त प्राध्यापक एवं महाविद्यालयीन छात्राऐं उपस्थित थी । अतिथि वक्ता के रूप में श्री राजनारायण द्विवेदी, परियोजना समन्वयक एवं श्री श्रीवास्तव जी ने भी स्कील डेवलपमेंट से संबंधित अपना व्याख्यान दिया ।

निष्पादन किया जा सकता है । अतिथि विद्वानों के साथ महाविद्यालय के प्राध्यापकों का सहयोग भी अपेक्षित है । इस कार्य के लिए अतिथि विद्वानों के अतिरिक्त डॉ. अलका जैन, प्रो. सुनील गुप्ता, डॉ. आर. एन. ध्रुवे आदि प्रमुख वक्ता होगें ।

3. सेमेस्टर सिस्टम, च्वाईस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (CBCS) संबंधी कार्यशाला का आयोजन दिनांक 05.11.2015 को किया जाय । इसके लिए विशेषज्ञ वक्ता के रूप में सरगुजा विश्वविद्यालय के शिक्षण विभाग के प्राध्यापक प्रो. आनंद कुमार को आमंत्रित किया जाय ।

उक्त बैठक के निर्णयानुसार दिनांक 03.11.2015 को शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार हेतु वैचारिक विमर्श / कार्यशाला का आयोजन हुआ । अतिथि वक्ता के रूप शासकीय पी. जी. महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. राजकमल मिश्रा ने अपना सारगर्भित व्याख्यान दिया तथा उन बिन्दुओं को भी रेखांकित किया, जिसमें शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार हो सकता है ।

शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार हेतु वैचारिक विमर्श/कार्यशाला में उद्‌बोधन करते हुए रूसा प्रभारी डॉ. यू. पी. शर्मा एवं मंचासिन प्राचार्य डॉ. ज्योति सिन्हा, डॉ. राजकमल मिश्रा एवं डॉ. जी. ए. घनश्याम –

शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार हेतु रूसा के अन्तर्गत विहित अन्य प्रिपरेटरी गतिविधियों में शासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पालन करते हुए महाविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये ।

राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (RUSA) के अन्तर्गत विविध गतिविधियों को संचालित करने के लिए प्राचार्य डॉ. ज्योति सिन्हा के द्वारा महाविद्यालय स्तर पर समिति का गठन दिनांक 15.10.2015 को किया गया, जिसका विवरण निम्नानुसार है–

1. डॉ. यू. पी. शर्मा – संयोजक (रूसा प्रभारी)
2. डॉ. आर. एन. ध्रुवे – सदस्य
3. श्रीमती जे. जे. गुप्ता – सदस्य
4. श्री अशोक पटेल – सदस्य
5. डॉ. प्रेमलता एक्का – सदस्य
6. श्री सुनील गुप्ता – सदस्य

समिति का दायित्व रूसा की गतिविधियों का संचालन एवं यथासमय उसका प्रतिवेदन प्रेषण करना होगा ।

पुनः 23.10.2015 को प्राचार्य डॉ. ज्योति सिन्हा की अध्यक्षता में राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (RUSA) के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए बैठक आहुति की गयी, जिसमें मुख्य रूप से उक्त अभियान के तहत् आयोजित होने वाली गतिविधियों पर चर्चा हुई। चर्चा उपरान्त यह निर्णय लिया गया कि–

1. शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार हेतु वैचारिक विमर्श / कार्यशाला का आयोजन दिनांक 03.11.2015 को किया जाये, जिसमें बाह्य वक्ता के रूप में डॉ. घनश्याम (जी.ए.) एवं डॉ. राजकमल मिश्रा को आमंत्रित किया गया । दोनों विषय विशेषज्ञ के अतिरिक्त जनप्रतिनिधि एवं छात्राएं उपस्थित रहीं ।
2. विद्यार्थियों के लिए कैरियर ओरियेन्टेशन कार्यशाला का आयोजन किया जाना है । समयाभाव के कारण 03.11.2015 के अपरान्ह 3.00 बजे से उक्त कार्य का

- उच्चतर शैक्षिक संस्थाओं को अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में समर्पित करने के लिए योग्य पर्यावरण का निर्माण करना।
- वर्तमान संस्थाओं में अतिरिक्त क्षमता का निर्माण करके सांस्थानिक आधार को विस्तार प्रदान करना और नामांकन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए नए संस्थानों को स्थापित करना।
- असेवित और अल्पसेवित क्षेत्रों में संस्थाओं को स्थापित करके उच्चतर शिक्षा में पहुंच बनाने में क्षेत्रीय असंतुलनों को संतुलित करना।
- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों को उच्चतर शिक्षा के पर्याप्त अवसर प्रदान करके उच्चतर शिक्षा के क्षेत्र में समानता में सुधार करना; महिलाओं, अल्पसंख्यकों और नि:शक्तजनों के समावेशन को प्रोत्साहित करना।

घटक

- राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान वर्तमान स्वायत्त कॉलजों के प्रोन्नयन और कॉलेजों के समूहिक परिवर्तन द्वारा नए विश्वविद्यालयों को स्थापित करेगा। यह नए मॉडल कॉलेजों, नए व्यावसायिक कॉलेजों को स्थापित करेगा और विश्वविद्यालय और कॉलेजों को अवसंरचनात्मक सहायता प्रदान करेगा, संकाय भर्ती सहायता, संकाय सुधार कार्यक्रम और शैक्षिक प्रशासकों के नेतृत्व संबंधी विकास भी इस योजना के महत्वपूर्ण भाग हैं। कौशल विकास को बढ़ाने के लिए पॉलीटेक्निक की वर्तमान केन्द्रीय योजना को रूसा को प्रस्तुत किया गया है। इनके अतिरिक्त, रूसा भाग लेने वाले राज्यों के संस्थाओं में सुधार, पुनर्गठन और क्षमता विकास संबंधी सहायता भी देता है।

सांस्थानिक अनुक्रम

- रूसा को सांस्थानिक ढांचे के द्वारा कार्यान्वित और मॉनीटर किया जाता है, जिसमें राष्ट्रीय मिशन प्राधिकरण, परियोजना अनुमोदन बोर्ड और केन्द्रीय स्तर पर राष्ट्रीय परियोजना निदेशालय और राज्य स्तर पर राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद और राज्य परियोजना निदेशालय शामिल हैं।

रूसा के अन्तर्गत विहित अन्य प्रिपरेटरी गतिविधियों के तहत् जी.ई.आर. वृद्धि हेतु निकटतम उच्चतर माध्यमिक शालाओं में विद्यार्थियों का अभिप्रेरण किया गया जिसका विवरण निम्नानुसार है –

1. शासकीय उच्च्तर माध्यमिक विद्यालय, मेन्ड्राकला
2. शासकीय उच्च्तर माध्यमिक विद्यालय, रामपुर
3. शासकीय उच्च्तर माध्यमिक विद्यालय, सुखरी
4. शासकीय उच्च्तर माध्यमिक विद्यालय, सखौली
5. शासकीय उच्च्तर माध्यमिक विद्यालय, सरगवां
6. शासकीय उच्च्तर माध्यमिक विद्यालय, खैरवार
7. शासकीय उच्च्तर माध्यमिक विद्यालय, परसा